जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 296 प्रभात चूरू, शुक्रवार 24 फरवरी, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस के 85वें अधिवेशन के लिए रायपुर सजकर तैयार

63 साल पहले रायपुर के विशेष अधिवेशन में नेहरू और शास्त्री मौजूद थे, इस बार गैर गांधी परिवार के खड़गे अध्यक्षता करेंगे

रायपुर, 23 फरवरी । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 63 साल के बाद कांग्रेस का अधिवेशन होने जा रहा है। इससे पहले 1960 में एक विशेष अधिवेशन हुआ था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री सहित कांग्रेस का पूरा नेतृत्व यहां आया था। अब कांग्रेस का 85वां अधिवेशन हो रहा है । इस बार महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार इस अधिवेशन की अध्यक्षता गैर गांधी परिवार के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के हाथ में होगी।

24 फरवरी से 26 फरवरी तक कांग्रेस का पूरा केंद्रीय नेतृत्व और सभी राज्यों की निर्णायक समितियां यहीं रहने वाली हैं। महा अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा यहां पहुंच चुके हैं। वहीं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा और सह प्रभारी विजय जांगिड़ पिछले 1 सप्ताह से यहीं रुक कर तमाम व्यवस्थाएं देख रहे हैं। दो दिन पहले संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और अनुशासन समिति के सदस्य तारिक अनवर भी रायपुर पहुंच चुके हैं और वह भी अधिवेशन की तमाम तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के मुखिया जयराम रमेश भी रायपुर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा एक समिति, जो कि इस अधिवेशन की तैयारियों के लिए बनाई गई थी, उसके 6 सदस्य भी रायपुर में तमाम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट शुक्रवार सुबह रायपुर पहुंचेंगे। महाधिवेशन के लिए नेताओं का आना दो दिन पहले से शुरू हो गया है। कांग्रेस के बड़े नेता गुरुवार दोपहर से आने लगे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार सुबह रायपुर पहुंच जाएंगे। वही कांग्रेस महासचिव प्रियंका

- मेला ग्राउण्ड पर 12 एयर कण्डीशन्ड डोम बन कर तैयार हैं और अधिवेशन में शामिल होने वाले 20,000 लोगों के लिए कई प्रदेशों के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे।
- खड़गे, गहलोत, सुक्खू पहुँच चुके हैं, राहुल गांधी और पायलट शुक्रवार सुबह पहुँचेंगे, शनिवार को आएंगी प्रियंका।
- सोनिया गांधी के आने का कार्यक्रम उनकी तबीयत के मिजाज़ पर निर्भर करेगा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'मुझे कांग्रेस व आप पार्टी से जान का खतरा'

जयपुर, 23 फरवरी। शहर के जी क्लब पर हुई फायरिंग व व्यापारियों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई की रिमाण्ड अवधि पूरी होने पर पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उसे जयपुर मेट्रो-प्रथम की एसीएमएम कोर्ट-9 में पेश किया। पेशी के दौरान लॉरेंस की ओर से एक अर्जी दायर कर कहा गया कि, उसे कांग्रेस व आप पार्टी द्वारा जानबूझकर झूठे केसों में शामिल किया जा रहा है और उसे इन दोनों पार्टियों से जान का खतरा है।

- गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई ने न्यायालय में गुहार की।

कोर्ट ने लॉरेंस की अर्जी को रिकॉर्ड पर ले लिया और सुनवाई की तारीख दो मार्च तय की। इस दौरान पुलिस ने लॉरेंस का सात दिन का पुलिस रिमाण्ड मांगते हुए कहा कि, अनुसंधान के लिए उसकी जरूरत है।

लॉरेंस की सुरक्षा व मेडिकल के संबंध में एसएचओ ने कहा कि वो अदालती आदेशों का पालन कर रहे हैं और लॉरेंस के मेडिकल के लिए भी डॉक्टर्स की टीम बनाई गई है, जो थाने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

स्टियरिंग कमेटी तय करेगी सी.डब्ल्यु.सी. का निर्वाचन हो या मनोनयन

रायपुर, 23 फरवरी । कांग्रेस की सर्वोच्च संस्था कांग्रेस कार्यसमिति में 12 सदस्यों का निर्वाचन होगा या सभी 25 सदस्यों को कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत करेंगे। इस बारे में अधिवेशन के पहले दिन सुबह होने वाली स्टियरिंग कमेटी की बैठक में तय होगा। उल्लेखनीय है कि इस बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी चाहते हैं कि कांग्रेस कार्यसमिति के सभी सदस्यों का मनोनयन होने के बजाय 12 सदस्य निर्वाचन के जरिए ही चुने जाएं। इस बारे में पार्टी की 45 सदस्य स्टियरिंग कमेटी तय करेगी कि निर्वाचन किया जाएगा या जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से सभी सदस्यों को मनोनीत करने की परंपरा को कायम रखा जाएगा।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस के 85वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से कहा कि, आज मैं छत्तीसगढ़ की इस पावन धरती पर आया हूं, पहली बार कांग्रेस के अध्यक्ष के नाते आया हूं। मुझे काफी खुशी हो रही है। लेकिन दुख की बात यह कि, जब मैं यहां पर अपने अधिवेशन में शामिल होने पहुंच रहा था, तो मेरे बहुत से कार्यकर्ताओं और नेताओं को परेशान किया गया है। खास करके हमारे स्पोक्सपर्सन पवन खेड़ा जी को अरैस्ट करके। खड़गे ने रायपुर एयरपोर्ट पर कहा कि आसाम की पुलिस आकर उनको गिरफ्तार करती है, नियम में कोई ऐसा प्रावधान नहीं है। मुझे बहुत खुशी हुई कि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी। ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। खड़गे बोले कि, हम पार्लियामेंट में अपनी बात बोलना चाहते हैं तो नोटिस दे दिया जाता है। इस देश में फ्रीडम ऑफ स्पीच को, बोलने की आजादी को, खत्म करने की कोशिश यह लोग कर रहे हैं। इनके हाथ में डैमोक्रैसी और संविधान सुरक्षित नहीं है। इसलिए ऐसे लोगों की कार्रवाई का मैं खंडन करता हूं।

- पहले दिन 10 बजे स्टियरिंग कमेटी की बैठक, शाम 4 बजे सब्जेक्ट कमेटी की होगी बैठक।

पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा जब हमारा अधिवेशन हो रहा है,तो हमारे कार्यकर्ताओं के ऊपर हमारे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

वकील हड़ताल पर फिर भी हुई सुनवाई

करौली, 23 फरवरी (नि.सं.)। ग्रामोत्थान संस्था की जनहित याचिका पर पांचना डैम की नहरों में पानी खोलने के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय में 23 फरवरी को सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई के आदेशानुसार कलेक्टर करौली, एस.पी. करौली तथा सिंचाई विभाग के सुपरिन्टैन्डिंग इंजीनियर उपस्थित हुए।

- मामला पांचना डैम की नहरों में पानी खोलने का है।

ग्रामोत्थान संस्था की ओर से संस्था के अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद मीना एवं महासचिव महेन्द्र सिंह मीना उपस्थित थे। संस्था की ओर से स्वयं महेन्द्र सिंह मीना ने कमान संभाली क्योंकि अधिवक्ता गण हड़ताल

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'इस मुद्दे पर हम बी.बी.सी. के साथ खड़े हैं'

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने विवादित डॉक्युमैन्टरी पर पहली बार यह भी स्वीकार किया कि, ब्रिटेन ने इस मुद्दे पर हिन्दुस्तान से बात भी की है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। भारत के नई दिल्ली और मुम्बई में बी.बी.सी. के कार्यालयों में एक हफ्ते पूर्व डाली गई रेड्स को लेकर ब्रिटिश सरकार अन्ततः एक ठोस रूप में सार्वजनिक रूप से उसके बचाव में आई है। ब्रिटेन के सांसदों ने भारत की इस कार्रवाई की भर्त्सना करते हुए इसे प्रैस को भयभीत करने की संज्ञा दी है।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बी.बी.सी. पर अन्य साधनों से राजनीति करने का आरोप लगाने के तुरन्त बाद यू.के. की प्रतिक्रिया सामने आई।

यह भी पहली बार था कि ऋषि सुनक सरकार ने इसकी पुष्टि की कि उसने नरेन्द्र मोदी सरकार के समक्ष यह मुद्दा उठाया है।

यू.के. के विदेश मंत्री डेविड रूटली ने अपने देश की संसद में सांसदों को बताया कि "यह मुद्दा (बी.बी.सी. पर डाली गई रेड्स) भारत सरकार के साथ उठाया गया है और हम स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए हैं।

इण्डिपैण्डैन्ट अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार विपक्षी लेबर पार्टी ने भारत में बी.बी.सी. के खिलाफ की गई कार्रवाई की बेहद कटु आलोचना करते हुए इन रेड्स को काफी चिन्ताजनक बताया है। गत सप्ताह मारे गए आयकर छापों को लेकर भाजपा की सत्तारूढ़ मोदी सरकार के सीनियर अधिकारियों ने कठोर बयान दिए थे। उसके एक प्रवक्ता ने बी.बी.सी. को दुनिया का सबसे भ्रष्ट संस्थान बताया था।

जब यह पूछा गया कि ब्रिटिश सरकार बी.बी.सी. की आयकर रेड्स के बारे में ना सही, लेकिन क्या वह बी.बी.सी. की आलोचना को लेकर उसका बचाव करेगी, तो विदेश मंत्री डेविड रूटली ने कहा कि "बी.बी.सी. की परेशानियों में हम उसके साथ हैं।"

- विदेश मंत्री का यह भी कहना था कि, मीडिया को कवरेज करने के लिये पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिये।
- "हम बी.बी.सी. को फण्ड करते हैं, पर उसके सम्पादकीय कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। बी.बी.सी. हमारी (ब्रिटेन की सरकार की) सांसद व अफसरों की और लेबर पार्टी की भी समय-समय पर सख्त आलोचना करती आई है।

उन्होंने आगे कहा कि "हम बी.बी.सी. को फण्ड्स देते हैं। हमारा मानना है कि बी.बी.सी. वर्ल्ड सर्विस जीवन आधार है। हम चाहते हैं कि बी.बी.सी. अपनी संपादकीय स्वतंत्रता बरकरार रखे। वह हमारी आलोचना करती है, वह लेबर पार्टी की आलोचना करती है और उसके पास जो स्वतंत्रता है, उसको हम काफी महत्वूपर्ण मानते हैं।"

मंत्री ने आगे कहा कि "स्वतंत्रता ही चाभी है और हम संवाद करने में समर्थ होना चाहते हैं, जो कि भारत सरकार सहित पूरी दुनिया में हमारे दोस्तों के लिए महत्वपूर्ण है।"

जयशंकर ने डॉक्यूमैन्टरी के रिलीज होने के समय को लेकर प्रश्न उठाते हुए इसे "अन्य माध्यमों के जरिए" राजनीति की संज्ञा दी थी और इस तथ्य का हवाला दिया था कि मोदी अगले साल भारत के लोकसभा चुनाव में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए मैदान में उतरेंगे।

मंत्री ने ए.एन.आई. को कहा था कि "मेरे कहने का मतलब है कि, यदि आपको लगता है कि डॉक्यूमैन्टरी का रिलीज होना आकस्मिक है? तो मैं आपको एक बात बताना चाहूंगा कि मुझे यह पता नहीं है कि भारत और दिल्ली में चुनावी माहौल शुरु हुआ या नहीं, किन्तु एक बात निश्चित है कि यह लंदन और न्यूयॉर्क में शुरु हो चुका है।"

उन्होंने यह भी कहा कि "हम सिर्फ किसी डॉक्यूमैन्टरी या किसी ऐसे भाषण पर बहस नहीं कर रहे हैं जो यूरोप के किसी शहर में किसी ने दिया हो, या किसी न्यूज़ पेपर ने कहीं पर कुछ एडिट किया है, हम वास्तव में राजनीति पर बहस कर रहे है, जो जाहिर तौर पर एक मीडिया के जरिए जा रही है।"

भारत में मोदी के विरोधियों के साथ ही पत्रकारों और दक्षिणपंथी समूहों ने टैक्स सर्वेज़ की भर्त्सना करते हुए इसे देश के मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रहार बताया था।

लेबर पार्टी के शांति व निशस्त्रीकरण की शैडो मिनिस्टर फैबियान हैमिस्टन ने बी.बी.सी. कर्मचारियों को रेड्स के दौरान पूछताछ के लिए रातभर रोकने का लेकर चिन्ता प्रकट की।

उन्होंने कहा कि "मीडिया फ्रीडम वाले किसी वास्तविक लोकतांत्रिक देश में आलोचना को अनावश्यक रूप से नहीं रोका जा सकता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिए।"

"हम खासतौर पर उन खबरों को लेकर चिन्तित हैं जिनमें बताया गया है कि बी.बी.सी. के स्टाफ को रात भर अपने कार्यालयों में रूकने के लिए बाध्य किया गया और उनसे भारी-

(शेष पृष्ठ 5 पर)